"हिंदी दिवस" के उपलक्ष्य में 'हिंदी साहित्य सभा ', हिंदी विभाग, लेडी श्रीराम कॉलेज , ने हिंदी -सप्ताह (16-20 सितंबर तक)का आयोजन किया गया।

इसके अंतर्गत 16 सितंबर को *सोमवार सभा* का आयोजन , ऑडिटोरीयम में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हुई हिंदी की लोकप्रिय कवयित्री *मीराबाई* के भजन "राम रतन धन पायो" के मधुर स्वरों के साथ।

सभा को आगे बढ़ाते हुए विभाग की छात्राओं ने हिंदी के चटपटे मुहावरों की चर्चा करते हुए कविता पाठ किया और साथ ही एक डोर में सब को बांधती हिंदी के स्वरूप को लेकर भी कविवर गिरिजा कुमार माथुर की कविता का पाठ किया गया। विभाग की छात्राओं ने हिंदी के संवैधानिक रूप और हिंदी में विकास की संभावनाओं को मूल में रख कर लेख प्रस्तुत किया गया।

लंच - ब्रेक में विभाग की छात्राओं ने नेसकैफे के सामने कॉलेज परिसर में विभिन्न भाषाओं के लोकगीतों को समाहित कर"फ्लैशमॉब" प्रस्तुत कर हिंदी सप्ताह के प्रथम दिन का आगाज़ किया गया।

मंगलवार 17 सितंबर को "हिंदी विभाग" ने मंगलवार - सभा का आयोजन किया।

"गणेश - स्तुति" के द्वारा सभा की शुरुआत हुई। तत्पश्चात विभाग की छात्राओं ने हिंदी के लोक-सांस्कृतिक रूप को लोक नृत्य की भाव - भंगिमाओं द्वारा प्रस्तुत किया। हिंदी औरअन्य भारतीय भाषाओं के गहन सम्बंध को भी रेखांकित किया गया। विभाग की छात्राओं द्वारा वर्ग भेद को खत्म करने में संलग्न हिंदी के महत्व को रेखांकित करते हुए "गोपाल सिंह नेपली" जी की कविता का पाठ भी किया गया।

"हिन्दी सप्ताह" के अंतर्गत हिंदी विभाग द्वारा 18 सितंबर* बुधवार को "पुस्तक पर चर्चा" का आयोजन हुआ। विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. सारिका कालरा जी द्वारा रचित उपन्यास "तेरे शहर में" के बारे में चर्चा हुई।

एक उपन्यास की रचना प्रक्रिया के दौरान के अनुभव, उपन्यास रचने की प्रेरणा और इस उपन्यास से जुड़े अनेक किस्से लेखिका ने हमारे साथ बांटे।

उपन्यास सैन्य जीवन के बारे में लिखा गया है और साथ ही वर्तमान समय के अनेक मुद्दों पर उपन्यास में प्रकाश डाला गया है।

यह परिचर्चा वहां उपस्थित छात्राओं के लिए भी रोचक और ज्ञानप्रद रही।

19सितंबर को हिंदी विभाग ने 'हिंदी सप्ताह ' के अंत्तर्गत तुलसी जयंती   का आयोजन किया।

"तुलसी जयंती" के उपलक्ष्य में विभाग ने संगोष्ठी का आयोजन किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के वरिष्ठ प्रो॰ श्री अनिल राय जी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। संगोष्ठी का प्रारंभ विभाग की छात्राओं द्वारा तुलसी दास जी रचित मंगलाचरण गा कर किया गया। तत्पश्चात ' प्रो. अनिल रॉय ' जी ने *"भक्तिकाल और तुलसीदास जी की प्रासंगिकता"* को लेकर वक्तव्य प्रस्तुत किया। वक्तव्य उपस्तिथ शोधार्थियों और विद्यार्थियों के लिए काफी फायदेमंद और ज्ञानप्रद रहा।

संगोष्ठी के अंत में अनिल रॉय जी को विभाग की छात्रा द्वारा बनाया गया तुलसीदास जी का चित्र उपहारस्वरूप देकर उनका धन्यवाद ज्ञापन किया।

20 सितंबर को हिंदी सप्ताह के अंतर्गत एक फ़िल्म स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की आतिथि वक्ता थीं डॉ अंजलि भाटिया जो कि लेडी श्री राम कॉलेज फ़ॉर विमेन के समाजशास्त्र विभाग में असोसिएट प्रोफ़ेसर हैं

हिंदी सप्ताह के अंतिम दिन में एक ऐसे मुद्दे पर चर्चा हुई जिस पर आम तौर पर महिलायें भी खुल कर बात नही करती , जो कि था "मासिक धर्म "(periods)। जिस फ़िल्म की स्क्रीनिंग हिंदी विभाग ने की , वो एक ऑस्कर विजेता डॉक्यूमेंट्री है - "पीरियड एन्ड ऑफ सेंटेंस"। सभी ने बड़े ही उत्साह के साथ इस फ़िल्म को देखा और समझा। फिर डॉ अंजलि भाटिया ने हमारे सामने इस फ़िल्म पर अपने विचार रखे और सभी छत्राओं के प्रश्नों के उत्तर दिए । और इसी के साथ

'हिंदी सप्ताह 'की समाप्ति हुई ।